01/26

दिनांक: 14/11/2024

सेवा में,
सचिव, तकनीकी शिक्षा/ उपाध्यक्ष, प्रशासकीय परिषद
जी. बी. पी. आई. ई. टी. पौड़ी-गढ़वाल
उत्तराखंड शासन

विषय: प्रभारी निदेशक डॉ. वी. एन. काला द्वारा उत्पीड़न, अनुचित दबाव, प्रशासनिक लापरवाही और शैक्षणिक असुविधाओं के सम्बन्ध में शिकायत।

महोदय,

मैं डॉ. भीष्म सिंह खाती जी. बी. पी.आई. ई. टी. पौड़ी गढ़वाल मे वर्ष 2011 से असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हूँ। इसके साथ ही मेरे पास सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रभारी सिविल मेंटेनेंस तथा प्रभारी वाटर सप्लाई का कार्यभार भी है पिछले कुछ महीनों (जून -2024) से संस्थान के प्रभारी निदेशक डॉ. वी. एन. काला द्वारा द्वेष भावना से ग्रसित होकर मेरे प्रति पक्षपातपूर्ण व्यवहार तथा उत्पीड़न किया जा रहा है। जिस कारण मैं मानसिक रूप से अत्यंत परेशान हो चूका हूँ। इस संदर्भ मैं आपके सामने निम्न बिंदु प्रस्तुत करना चाहता हूँ :

1. महोदय मुझे नवंबर 2023 मैं प्रभारी सिविल मेंटेनेंस का कार्यभार दिया गया था. संस्थान मैं पूर्व से ही विभिन्न प्रकार के कुछ निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके थे और कुछ गतिमान थे. निदेशक महोदय द्वारा दिनांक 15.06.2024 (संलग्नक 1 page no 7) को विभिन्न निर्माण कार्यों के एक सप्ताह के भीतर भौतिक सत्यापन और भुगतान के सम्बन्ध मैं संस्तुति हेतु पत्र दिया गया। लेकिन ये पत्र मुझे दिनांक 24.06.2024 को प्रातः प्राप्त हुआ (संलग्नक 2 page no 8)। इस पत्र के जवाब मैं, पत्र भेजकर (संलग्नक 3 page no 9) मेरे द्वारा प्रभारी निदेशक महोदय को उसी दिन दिनांक 24.06.2024 को यह अवगत करवाया गया कि पूर्व में हो चुके कार्यो कि देयक धनराशि करोड़ों में है और संस्थान में कनिष्ठ अभियंता, सिविल का पद नवंबर 2023 से रिक्त है। जिस कारण जे.ई. के विभिन्न उत्तरदायित्व जैसे Site Supervision, Quality Assurance and Site Measurement जैसे महत्वपूर्ण कार्य नहीं हो पा रहे हैं। इसी पत्र के माध्यम से मैंने स्पष्ट शब्दों में प्रभारी निदेशक महोदय को यह भी बता दिया कि जे.ई. सिविल के मापन और सत्यापन के बिना इन कार्यो का मेरे द्वारा प्रसंस्करण करना संभव नहीं है। मेरे द्वारा पूर्व में भी दिनांक 08.05.2024 को प्रभारी निदेशक महोदय को जे.ई. सिविल की तत्काल नियुक्ति किये जाने हेतु पत्र प्रेषित किया गया था (संलग्नक 4 page no 10)।

लेकिन ये जानते हुए की संस्थान में जे.ई. सिविल नहीं है, इसके बावजूद भी इनके द्वारा तुरंत ही दिनांक 24.06.2024 (संलग्नक 5 page no 11) को फिर से मेरे ऊपर दवाब बनाते हुए भुगतान के सम्बन्ध मैं संस्तुति हेतु पत्र दिया गया और यह भी निर्देशित किया गया कि उक्त कार्य के संस्तुति दिए बिना आपका ग्रीष्मकालीन अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा, जिसे शिक्षकों को प्रतिवर्ष 05 महीने के बाद दिया जाता है। महोदय ये पत्र पढ़कर मेरे समझ में ये नहीं आया कि प्रभारी निदेशक महोदय बिना भौतिक सत्यापन के और उचित प्रक्रिया का पालन न करते हुए जल्दबाजी में लगभग 2.30 करोड़ का भुगतान क्यो करवाना चाह रहे हैं और जिसके लिए मेरा अवकाश भी अस्वीकृत करना चाह रहे हैं। लेकिन मैंने फिर भी अपनी जिम्मेदारी समझते हुए दिनांक 28.06.2024 को पत्र के माध्यम से (संलग्नक 6 page no 12) प्रभारी निदेशक महोदय को पुनः अवगत करवाया कि जे.ई. सिविल के सत्यापन के बिना भुगतान करना नियम के विरुद्ध है और मेरा यह आपके दबाव में आकर प्रसंस्करण करना संभव नहीं है। महोदय बार-बार प्रभारी निदेशक महोदय द्वारा कभी पत्र के माध्यम से और कभी बार-बार मौखिक रूप से बिना

BKhati

उचित प्रक्रिया का पालन किये करोड़ों के भुगतान के लिए मेरे ऊपर बार-बार अनुचित दवाब बनाने से में काफी परेशान हो रहा था।

इसी परेशानी के बीच जब मैंने भुगतान सम्बन्धी उचित प्रक्रियाओं का बारीकी से अध्ययन किया तो मुझे पता चला कि संस्थान के समस्त सिविल कार्यो के समय पर गुणवत्तापूर्वक निष्पादन, सत्यापन एवं भुगतान हेतु संस्थान के उपनियमों (कॉलेज के Byelaws page no. 20 and point no. 28, संलग्नक 7 page no 13-14) में उल्लिखित भवन निर्माण समिति (BWC) का गठन करना अत्यंत आवश्यक है। मैंने इस नियम को लिखित रूप में पत्रावली (Note sheet page no 90) के माध्यम से प्रभारी निदेशक महोदय को दिनांक 19.09.2024 को प्रस्तुत किया। इसके बावजूद प्रभारी निदेशक महोदय द्वारा भुगतान करने हेतु "सकारात्मक कार्यवाही कर समाधान कराने" का निर्देश दिया गया और इनके द्वारा भवन निर्माण समिति के बारे में लिखित सूचना देते हुए यह बताया गया कि यह समिति शासन द्वारा पूर्व में ही स्वीकृत की जा चुकी है (जिसे संस्थान की पत्रावली से सत्यापित किया जा सकता हैं), जिस कारण मैंने इस फाइल को अग्रेषित कर दिया।

लेकिन कुछ दिनों के बाद मेरे संज्ञान में आया कि वर्तमान में संस्थान में कोई भी भवन निर्माण समिति अस्तित्व में नहीं है। इनके द्वारा मुझे पत्रावली में गलत जानकारी दी गयी थी। महोदय संस्थान के नियमो के अनुसार सिविल निर्माण सम्बंधित कार्यों के भुगतान हेतु प्रभारी सिविल मेंटेनेंस द्वारा एक सर्टिफिकेट देना पड़ता है जिसमें उसे यह घोषणा करनी पड़ती है कि "सम्पूर्ण कार्य उसके सुपरविजन, शत प्रतिशत निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप है तथा यह कार्य उचित रीती तथा निति के साथ संतोषजनक तथा निर्धारित नियमानुसार सम्पादित करवाया गया है" (संलग्नक 8 page no 15). महोदय प्रभारी निदेशक द्वारा मेरे ऊपर इस सर्टिफिकेट को हस्ताक्षर करने का दवाब लम्बे समय से बनाया जा रहा है. महोदय में जैसा पहले भी अवगत करा चुका हूँ कि निर्माण कार्य को भवन निर्माण समिति द्वारा सत्यापित नहीं किया गया है अतः गुणवत्ता सर्टिफिकेट को मेरे द्वारा करना अनैतिक है और जनहित के खिलाफ है. महोदय इस मानसिक दवाब से में बहुत परेशान हो चुका हूँ और इसका असर मेरी पारिवारिक और प्रोफेशनल जिंदगी में पड़ रहा है. महोदय अगर सारा निर्माण कार्य गुणवत्ता के अनुरूप हुआ है तो प्रभारी निदेशक महोदय उसे भवन निर्माण समिति से सत्यापित करवाने में क्यो झिझक रहे हैं और मुझ पर गुणवत्ता सर्टिफिकेट को तत्काल हस्ताक्षर करने का दवाब क्यों बना रहे हैं। ये अंत्यंत गंभीर मामला है और जाँच का विषय है. ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रभारी निदेशक महोदय की इस भुगतान में कुछ व्यक्तिगत रुचि है।

2. महोदय आपके संज्ञान में लाना है कि संस्थान में वर्तमान में चल रहा सेमेस्टर अगस्त 2024 में शुरू हुआ है जिसके एग्जाम दिसंबर 2024 में होना प्रस्तावित है. लेकिन आपको यह जानकर अत्यंत हैरानी होगी कि कुछ सब्जेक्ट्स जैसे Environmental Studies (मैकेनिकल और बायोटेक), constitution of India (सिविल इंजीनियरिंग) की क्लासेज आज तक संचालित नहीं हुई हैं और कुछ सब्जेक्ट्स जैसे Operation रिसर्च (सिविल इंजीनियरिंग), Disaster preparedness and planning, Environmental Studies (सिविल इंजीनियरिंग) की 3-4 ही क्लासेज हुई हैं. जिसका सत्यापन स्टूडेंट्स से पूछ कर या अटेंडेंस रजिस्टर से किया जा सकता हैं. कुछ सब्जेक्ट्स के तो क्लास टेस्ट-1 भी Academic Calendar के अनुसार नहीं लिए गए हैं. इसके बारे में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के स्टूडेंट्स द्वारा मुझे पूर्व में अवगत भी करवाया गया था. इसके बाद मैंने विभागाध्यक्षों की अगस्त- सितम्बर महीने में हुई सभी मीटिंग्स में प्रभारी निदेशक महोदय को इस मत्वपूर्ण शैक्षणिक मामले के बारे में बताया. इन मीटिंग्स में अन्य विभागाध्यक्षों द्वारा भी इस मामले को निदेशक महोदय के संज्ञान में लाया गया. लेकिन उन्होंने इस मामले को अनदेखा किया और उनके द्वारा मुझे बोला गया कि आप अपने डिपार्टमेंट का required

teaching load दे दीजिये और बाकि में देख लूंगा (संलग्नक 9 page no 16). महोदय सिविल विभाग में टीचिंग लोड के हिसाब से शिक्षकों की कमी है, जिस की मांग में समय-समय पर प्रभारी निदेशक महोदय से कर चूका था लेकिन इन्होने जान बूझकर गेस्ट शिक्षक नहीं दिए. इसके बाद जब अक्टूबर के महीने तक भी क्लासेज संचालित नहीं हुई तो मुझे मजबूर होकर इस मामले को प्रभारी निदेशक महोदय के संज्ञान में लिखित रूप से लाना पड़ा (संलग्नक 10 page no 17). यह स्थिति अन्य विभाग में भी थी लेकिन वहां प्रभारी निदेशक महोदय ने सितम्बर के महीने में ऑनलाइन माध्यम से क्लासेज संचालित करने हेतु अनुमति प्रदान कर दी. लेकिन आपको जानकर और हैरानी होगी कि सिविल इंजीनियरिंग विभाग में ऑनलाइन माध्यम से क्लासेज संचालित करने हेतु अनुमति नहीं दी गयी. महोदय एक शैक्षणिक संस्थान में क्लासेज को सही समय पर संचालित करवाना निदेशक महोदय का परम दायित्व है और इस बारे में उन्हें गंभीरता से प्रयास करना चाहिए. लेकिन ऐसा प्रतीत हो रहा है कि निदेशक महोदय का शैक्षणिक गतिविधियों में कोई ध्यान नहीं और इस मामले में उनका रवैया लापरवाही भरा है जो कि एक सोचनीय विषय है।

3. महोदय सिविल इंजीनियरिंग विभाग में CAD LAB है जिसमें 54 कम्प्यूटर्स हैं. इस लैब में स्टूडेंट्स बिल्डिंग डिज़ाइन, सिमुलेशन, प्रोजेक्ट रिलेटेड वर्क इत्यादि से सम्बंधित सॉफ्टवेयर्स पर काम करते हैं जो कि बी. टेक. और ऍम. टेक. इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. CAD LAB के सभी कम्प्यूटर्स काफी अच्छे configuration के हैं और महंगे भी हैं. बिजली से होने वाले fluctuations और बिजली के न होने कि दशा में इन्हें चलाने के लिए 20 kVA के दो यूपीएस सिस्टम्स लगे हुए हैं, जो कि वर्तमान में ख़राब हो गए हैं. मैंने इस बारे में पूर्व में भी निदेशक महोदय को लिखित में अवगत करवाया था (संलग्नक 11 page no 18). इन UPS सिस्टम्स को ठीक करने के लिए देहरादून से बुलाये गए एक्सपर्ट की रिपोर्ट के आधार पर एक प्रस्ताव निदेशक महोदय को दिया गया था (September 2024). जिस पर प्रभारी निदेशक महोदय द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गयी और पूछने पर उन्होंने कहा कि प्रस्ताव की फाइल खो गयी है. महोदय संस्थान में बिजली जाती रहती है और बिजली से होने वाले fluctuations भी लगातार होते रहते हैं और UPS सिस्टम्स न होने के कारण सभी कम्प्यूटर्स ख़राब होने लगे है और इसका असर स्टूडेंट्स की शिक्षा पर पड़ जायेगा. महोदय, प्रभारी निदेशक का स्टूडेंट्स की शिक्षा के लिए इस तरह का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार अत्यंत सोचनीय है।

4. महोदय मैंने नवम्बर 2023 में IIT गुवाहाटी में दिसंबर 11-14, 2024 में होने वाली इंटरनेशनल कांफ्रेंस में एक रिसर्च पेपर सबमिट किया, जिसको कांफ्रेंस समिति द्वारा सभी समीक्षाओं के बाद जुलाई 2024 में पूर्ण रूप से स्वीकार कर लिया गया (संलग्नक 12 page no 19-21). लेकिन जब मैंने अगस्त 2024 को प्रभारी निदेशक महोदय से मेरे कंसल्टेंसी रिसर्च फण्ड के द्वारा (जिसमें पर्याप्त धनराशि उपलब्ध है) कॉन्फ्रेंस में प्रतिभाग और पेपर प्रजेंट करने की अनुमति मांगी तो उन्होंने मना कर दिया. अगर में IIT गुवाहाटी जाकर यह पेपर प्रजेंट करता तो यह जिओटेक्नीकल स्पेशल पब्लिकेशन के जर्नल में पब्लिश हो जाता. महोदय जबकि अब कॉन्फ्रेंस में पेपर प्रजेंट करने के लिए रजिस्ट्रेशन करने की अंतिम तिथि निकल चुकी है. महोदय रिसर्च किसी भी शैक्षणिक संस्थान के लिए जरुरी है जिस का असर छात्र-छात्राओं की शिक्षा पर भी पड़ता है. इतने प्रतिष्ठित संस्थान में रिसर्च पेपर स्वीकार होने के बाद तथा कंसल्टेंसी रिसर्च फण्ड में पर्याप्त धनराशि होने के बावजूद भी मुझे कॉन्फ्रेंस में प्रतिभाग न करने देना प्रभारी निदेशक महोदय का मेरे प्रति द्वेष भावना को दिखाता है।

5. महोदय NBA (National Board of Accreditation) भारत में एक स्वायत्त संस्था है जो शैक्षणिक कार्यक्रमों की गुणवत्ता को मान्यता प्रदान करती है, विशेषकर इंजीनियरिंग, प्रबंधन, फार्मेसी, वास्तुकला और अन्य तकनीकी एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में। यह संस्था AICTE (All India Council for Technical

Education) के अधीन काम करती है और इसके द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर शैक्षणिक कार्यक्रमों को मान्यता दी जाती है। NBA मान्यता यह सुनिश्चित करती है कि किसी संस्था के शैक्षणिक कार्यक्रमों में आवश्यक मानकों का पालन किया जा रहा है। यह मान्यता संस्थान की शिक्षा की गुणवत्ता को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने में मदद करती है। NBA मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने वाले छात्रों को यह विश्वास होता है कि उन्हें उच्च गुणवत्ता की शिक्षा मिल रही है, जो उनके करियर के लिए फायदेमंद साबित होगी। भारत में कई संस्थानों के लिए NBA मान्यता प्राप्त करना अनिवार्य है, खासकर उन संस्थानों के लिए जो इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा प्रदान करते हैं। बिना NBA मान्यता के, संस्थान को कुछ महत्वपूर्ण अधिकार और सुविधाएँ प्राप्त नहीं हो सकतीं। महोदय किसी भी विभाग को NBA मान्यता देने वाली टीम विभाग के शिक्षकों की गुणवत्ता, शोध, अवसंरचना, छात्रों के परिणाम के साथ ही यह भी देखती है कि विभाग में कितने सीनियर शिक्षक यानि कि कितने प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर हैं. सिविल इंजीनियरिंग विभाग में वर्तमान में कोई भी प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर नहीं हैं. जबकि सिविल इंजीनियरिंग विभाग में मेरे अलावा कुछ अन्य शिक्षकों का एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर प्रमोशन February 2023 से होना है. लेकिन निदेशक महोदय (जो कि मई 2023 से संस्थान के निदेशक के पद पर कार्यरत हैं) जान बूझ कर इंटरव्यूज न करवाकर शिक्षकों का प्रमोशन नहीं कर रहे हैं, जबकि AICTE के नोटिफिकेशन के हिसाब से हर 06 महीने में CAS प्रमोशन के लिए इंटरव्यूज करवाना आवश्यक है. इसी कारण सिविल इंजीनियरिंग विभाग NBA से मान्यता भी नहीं ले पा रहा है. इस प्रकार के विषयो पर इनका कोई ध्यान नहीं रहता है।

6. महोदय संस्थान की केंद्रीय क्रय समिति CPC की 64 वी बैठक दिनांक 27/06/2024 की बिंदु संख्या 64.09 में सर्वसमिति द्वारा सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एस. खाती के मांग पत्र के क्रम में फील्ड से सम्बंधित कार्यों हेतु एक लैपटॉप GEM पोर्टल के माध्यम से मेरे कंसल्टेंसी रिसर्च फण्ड के द्वारा क्रय किये जाने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया (संलग्नक 13 page no 22-24). इसके बाद संस्थान द्वारा GEM पोर्टल के माध्यम से अन्य सामानो की खरीददारी की गयी लेकिन मेरे द्वारा बार-बार आग्रह किये जाने के बाद भी प्रभारी निदेशक महोदय द्वारा मेरे लैपटॉप को न खरीदने का आदेश September में Purchase Officer को मेरे सामने ही निदेशक ऑफिस में दिया गया।

महोदय उपरोक्त बिंदुओं में दी गयी जानकारी से ये स्पष्ट है कि निदेशक महोदय जून 2024 से मेरे प्रति द्वेष भावना रखते हुए पक्षपात पूर्ण व्यवहार कर रहे हैं. इसका प्रमुख कारण यह है कि मै 2.30 करोड़ की पेमेंट करने के लिए गुणवत्ता सर्टिफिकेट नहीं दे पा रहा हूँ जिसमें निदेशक महोदय की कुछ व्यक्तिगत रूचि है क्योकि ये निर्माण कार्य को बिना भवन निर्माण समिति से सत्यापित करवाए भुगतान करने को कह रहे हैं और लगातार मुझ पर अनुचित कार्य करवाने का दवाब बना रहे हैं. महोदय अगर मैंने इनके दवाब में आकर गुणवत्ता सर्टिफिकेट दे दिया तो भविष्य में कभी भी मुझ पर कार्यवाही हो सकती है. इस कारण से में मानसिक रूप से अत्यंत परेशान हो चूका हूँ. भुगतान न करने के कारण ये मुझसे काफी नाराज हो गए हैं और अपना गुस्सा मेरे से सम्बंधित अन्य मामलों में निकाल रहे हैं जैसे कि मुझे ग्रीष्मकालीन अवकाश न देने कि धमकी देना, क्रय समिति के अनुमोदन के बाद भी मुझे फील्ड वर्क के लिए लैपटॉप न देना, मेरे विभाग में समयानुसार क्लासेज संचालित करने के लिए शिक्षक न देना, मुझे IIT गुवाहटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में रिसर्च पेपर स्वीकार हो जाने के बाद भी जाने कि अनुमति न देना, सिविल इंजीनियरिंग विभाग में लैब्स के उचित रखरखाव के लिए उपकरण न देना - जिनका पूर्ण विवरण साक्ष्य सहित में उपरोक्त में बिंदुवार दे चूका हूँ।

महोदय इनके कारण मेरा संस्थान में नौकरी करना मुश्किल हो गया है जिसका असर अब मेरी पारिवारिक जिंदगी में भी पड़ने लगा है. महोदय में लम्बे समय से इनका दवाब में काम करता आ रहा हूँ

Bkhati

और अब ये सीधे मेरे अधिकारों पर भी हमला करने लगे हैं जिस से अब मेरे सब्र का बांध टूट गया है और में इनकी शिकायत आपसे करने पर मजबूर हो गया हूँ. महोदय देहरादून में मेरे वृद्ध माताजी, पिताजी और मेरी पत्नी तथा 11 साल का बच्चा रहते हैं. दिनांक 06/11/2024 को अपरान्ह मेरे वृद्ध पिता जी की तबियत कुछ ख़राब सी हुई और इस बारे में मेरी माता जी द्वारा फोन पर मुझे अवगत करवाया गया. महोदय में तुरंत ही शाम को आकस्मिक अवकाश (CL) का फॉर्म भरके, उसे ऑफिस में रखकर देहरादून निकल गया. महोदय अगले दिन दिनांक 07/11/2024 को निदेशक महोदय द्वारा सिविल इंजीनियरिंग विभाग में पूर्वान्ह 10:30 बजे निरीक्षण किया गया और इस दौरान मेरा अवकाश पत्र विभाग के कर्मचारियों से माँगा गया. जिसे उपस्थित कर्मचारियों द्वारा तत्काल उपलब्ध नहीं करवाया जा सका. जबकि यह अवकाश पत्र विभाग के ऑफिस में ही उपलब्ध था. इस बारे में अगर मेरे कर्मचारियों द्वारा तुरंत मुझे फोन से अवगत करवाया गया होता तो मैं तत्काल अवकाश पत्र की विभाग के ऑफिस में उपलब्धता के बारे में बता देता. ऐसा प्रतीत होता है कि जान भूझकर निदेशक महोदय द्वारा मुझसे कोई वार्तालाप नहीं की गयी और मेरे बारे में विभाग के उपस्थित कर्मचारियों के सामने बिना सही तथ्यों की छानबीन किये, चिल्लाते हुए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए इनके द्वारा नाराजगी दिखाई गयी. निदेशक महोदय के जाने के तुरंत बाद विभाग के कर्मचारियों द्वारा इस घटना के बारे में मुझे अवगत करवाया गया. मैंने उन्हें बताया कि मेरा अवकाश पत्र विभाग के ऑफिस में ही है. इस अवकाश पत्र में चार्ज का हैंड ओवर तथा क्लास वर्क लोड भी उल्लिखित है. इसके बाद सिविल इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों द्वारा मेरे अवकाश पत्र को उसी दिन निरीक्षण के तुरंत 15 मिनट बाद ही दिनांक 07/11/2024 को ही पूर्वान्ह 11:05 बजे निदेशक महोदय के समक्ष निदेशक कार्यालय में प्रस्तुत किया गया. लेकिन निदेशक महोदय द्वारा अवकाश पत्र को देखने के बाद भी उसे स्वीकार नहीं किया गया, साथ ही इनके द्वारा कहा गया कि डॉ. बी. एस. खाती के खिलाफ कार्यालय आदेश (संलग्नक 14 page no 25) निकाल रहा हूँ।

महोदय आकस्मिक अवकाश एक प्रकार का सवैतनिक अवकाश है जो किसी कर्मचारी को दिया जाता है, जिसे किसी अप्रत्याशित स्थिति या बिना किसी पूर्व योजना के घटित होने वाली अप्रत्याशित घटना के दौरान लागू किया जा सकता है। अप्रत्याशित परिस्थितियाँ अप्रत्याशित रूप से किसी कर्मचारी की अचानक अनुपस्थिति को जन्म दे सकती हैं, चाहे वह सरकारी सेवा में हो या किसी अन्य कार्यालय में या किसी औद्योगिक उपक्रम में।

इन्होने न केवल मेरे खिलाफ आदेश निकाला बल्कि उसे व्हाट्सप्प के माध्यम से कर्मचारियों और स्टूडेंट्स के ग्रुप्स में भी प्रचारित करवाया. महोदय आपको यह बात जानकर हैरानी होगी कि जिस समय निदेशक महोदय, डीन ऐकडेमिक के साथ सिविल एवं अन्य विभागों का निरीक्षण कर रहे थे उसी समय (पूर्वान्ह 10 बजे से 11 बजे तक) इनकी फर्स्ट ईयर में क्लास थी (संलग्नक 15 page no 26) जिसे इनके द्वारा नहीं लिया गया था और निदेशक महोदय उस समय मुझे ढूंढ रहे थे. संस्थान के वरिष्ठतम प्रोफेसर जिनके पास निदेशक का भी चार्ज है अपनी क्लास को छोड़कर अन्य लोगो के बारे में जानकारी रखने के लिए विभागों में घूम रहे थे. आप समझ सकते हैं कि ये संस्थान में किस प्रकार का माहौल बनाना चाह रहे हैं. इन्हें शैक्षणिक माहौल से कोई मतलब नहीं है, इनका मकसद सिर्फ अन्य लोगो के पीछे लगकर उन पर दवाब बनाकर, उनसे गलत काम करवाना ही रह गया है।

महोदय मैं सिविल विभाग में 2011 में ज्वाइन करने वाला प्रथम नियमित शिक्षक था. मैं आपको अवगत करवाना चाहता हूँ की मेरे आने से पहले न तो डिपार्टमेंट में कोई लैब थी और नहीं कोई ऑफिस हुआ करता था. महोदय मैंने इस विभाग को ऊंचाई पर ले जाने के लिए, सम्पूर्ण नियमो और सीमाओं का ध्यान रखते हुए, पिछले 14 वर्षो से छात्र और संस्थान हित में हर संभव प्रयास किया है और अभी भी निरंतर प्रयासरत हूँ।

जब प्रभारी निदेशक मुझसे अनैतिक और अनुचित भुगतान करवाने में सफल नहीं हो पाए तो अब ये संस्थान तथा समाज के सामने मुझे बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं और मेरा शैक्षणिक कैरियर भी ख़राब करना चाहते है। महोदय मेरे द्वारा गुणवत्ता सर्टिफिकेट भवन निर्माण समिति के सत्यापन के बिना देना संभव नहीं है. मै संस्थान में होने वाली किसी भी तरह की भ्रष्टाचार से सम्बंधित गतिविधियों का न तो हिस्सा बनना चाहता हूँ और न ही बढ़ावा देना चाहता हूँ. निदेशक महोदय के मेरे प्रति रवैये के कारण में आजकल बहुत ज्यादा मानसिक परेशानी और डिप्रेशन में हूँ. मेरे जीवन के साथ मेरे माता जी, पिता जी, पत्नी और बच्चे का जीवन भी जुड़ा हुआ है. अगर मुझे कुछ होता है तो मेरे परिवार का जीवन भी खतरे में आ जायेगा. में आपसे अनुरोध करता हूँ कि मुझे प्रभारी सिविल मेंटेनेंस के प्रभार से मुक्त कर दिया जाये और निदेशक महोदय को आदेशित करें कि वो मेरा अन्य तरीको से उत्पीड़न करना तत्काल बंद करें. अगर निदेशक महोदय द्वारा मेरा उत्पीड़न जारी रहता है तो मुझे भविष्य में होने वाली किसी भी मानसिक या शारीरिक हानि के लिए डॉ. वी. एन. काला जिम्मेदार होंगे।

महोदय डॉ. वी. एन. काला पौड़ी के स्थानीय निवासी हैं, ये काफी प्रभावशाली और रसूख वाले व्यक्ति हैं और इनका दबंग प्रवृत्ति वाले स्थानीय लोगो से बहुत अच्छा संपर्क है. इस पत्र के भेजे जाने के बाद इनकी असली प्रवृत्ति समाज के सामने आ जाएगी. इसलिए मुझे यह भी डर है कि अब इनके द्वारा मुझ पर किसी भी प्रकार का हमला करवाया जा सकता है. इस पत्र के माध्यम से मैं पुनः यह कहना चाहता हूँ कि मुझे भविष्य में होने वाली किसी भी मानसिक या शारीरिक हानि के लिए केवल डॉ. वी. एन. काला ही जिम्मेदार होंगे।

अंत में, मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि इस पत्र में वर्णित समस्याओं पर शीघ्र और उचित कार्यवाही की जाए, ताकि न केवल मेरे व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा हो सके, बल्कि संस्थान की कार्यप्रणाली और शैक्षणिक वातावरण भी बेहतर हो सके। मुझे आशा है कि आप मेरी शिकायत को गंभीरता से लेंगे और इस मामले की शासन स्तरीय जांच कराएंगे।

आपकी कृपा से मुझे न्याय मिलने की पूरी उम्मीद है।

सादर धन्यवाद।

BKhati
14-11-2024

Dr.Bhishm Singh Khati
(M.Tech. IIT Roorkee and Ph.D. IIT Roorkee)
Head of the Department
Department of Civil Engineering
G. B. Pant Institute of Engineering and Technology
(An Autonomous Institute of Govt. of Uttarakhand)
Ghurdauri, Pauri-Garhwal-246194, Uttarakhand, INDIA
Mob. No.: +91-9458381318; +91-7579164401
E-mail: bhishmkhati007@gmail.com
bhishmkhati007@gbpiet.ac.in

Copy to:

- माननीय अध्यक्ष, प्रशासकीय परिषद जी. बी. पी. आई. ई. टी. पौड़ी-गढ़वाल
- प्रभारी निदेशक जी. बी. पी. आई. ई. टी. पौड़ी-गढ़वाल

Annexure-1
(संलग्नक)

गोविन्द बल्लभ पन्त इन्स्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी, घुड़दौड़ी, पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

संख्या–253 /का.आ–मु.का./2024 दिनांक : 15–06–2024

1– प्रभारी सिविल अनुरक्षण। 2– उप प्रभारी सिविल अनुरक्षण

शासनादेश संख्या 376/XLI-A/2024-46/2011 (E-47166) तकनीकी शिक्षा विभाग दिनांक 27.03.2024 के क्रम में परियोजना प्रबन्धक, अस्थाई निर्माण इकाई उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, पौड़ी द्वारा विभिन्न कार्यो हेतु धनावंटन की मांग की जा रही है। जो कि पूर्व में ही सिविल अनुरक्षण को संदर्भित किये जा चुके है।

2– निर्माणाधीन कार्य जैसे– टाइप–3 के 3 आवासों का निर्माण, 18 गार्ड रूम, चाहरदीवारी निर्माण की धनराशि माह मार्च 2024 में शासन से अवमुक्त हो चुकी है, परन्तु अभी तक कार्यदायी संस्था को उपलब्ध नहीं कराई गई है। कृपया कार्यदायी संस्था के पूर्व संदर्भित पत्रों के क्रम में सुस्पष्ट आख्या/भुगतान के सम्बन्ध में संस्तुति एक सप्ताह के अन्तर्गत उपलब्ध करा दी जाये। क्योंकि उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रेषित किया जाना हैं। यदि आवश्यक हो तो कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को भौतिक सत्यापन हेतु शामिल कर लिया जाय। इसके अलावा कार्यदायी संस्था के द्वारा किये जा रहे अनुरक्षण कार्यो की संयुक्त निरीक्षण आख्या भी अपेक्षित है।

3– संस्थान में कार्यदायी संस्था स्तर से चालू/प्रस्तावित अनुरक्षण कार्यो पर प्रगति आख्या अपेक्षित है।

शासन द्वारा उक्त अवमुक्त धनराशि के उपयोगिता प्रमाण पत्र के उपरान्त ही इस वित्तीय वर्ष की आगामी धनराशि अवमुक्त की जानी है। विलम्ब होने पर स्पष्टीकरण/उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा। कृपया उक्त कार्य को प्राथमिकता के साथ समय से पूरा कर लिया जाय।

निदेशक

प्रतिलिपिः–

1– परियोजना प्रबन्धक, अस्थाई निर्माण इकाई, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, पौड़ी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

3– लेखानुभाग।

निदेशक

(7)

A-2

Acknowledgement Book ______________ 20

पत्र वितरित करने की पुस्तक

No. नं	Date तिथि	Name and Address नाम व पता	Contents विवरण	Name of Bearer वाहक का नाम	Acknowledgement प्राप्ति
02	24/6/25	① प्रभारी सिविल मेन्टी०	T-IV के 12		
			आवासों के निर्माण		
			विषयक RMN		
			द्वारा दिया गया		
			पत्र।		
		② — do —	निदेशक महोदय	पंकज	[signature]
			द्वारा दिया गया		24/6/25
			पत्र सं०-253		
			संस्थान में निर्माण		
			कार्य विषयक।		
		उप प्रभारी सिविल	— do —		
		मेन्टीनेंस			

B.Khati

गोविन्द बल्लभ पत इन्स्टाट्यूट आफ इन्जीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी
घुड़दौड़ी पौडी गढ़वाल उत्तराखण्ड–246194
(उत्तराखण्ड सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)
सिविल अनुरक्षण एवं जलापूर्ति विभाग

A-3

पत्रांक सं. 15 / अनु0 वि0 / 2024

दिनांक 24/06/24

सेवा में,

निदेशक महोदय
जी0 बी0 पी0 आई0 टी0
घुडदौडी, पौडी गढवाल, उत्तराखण्ड

विषय :– विभिन्न निर्माण कार्य से संबंधित धनावंटन के संबंध में।

महोदय,

आपके द्वारा भेजे गये पत्रांक संख्या–253 / का.आ.–मु.का. / 2024 दिनांक 15 / 06 / 2024 जो कि आज प्रातः दिनांक 24 / 06 / 2024 को प्राप्त हुआ हैं। जिसमे की संस्थान में हो चुके तथा हो रहे निर्माण कार्यो व उनसे संबंधित बिलो के भुगतान के संबंध मे संस्तुति एक सप्ताह के अन्तर्गत मांगी गई है।

महोदय जैसे कि आपको ज्ञात ही हैं, कि संस्थान में नवम्बर 2023 मे स्थायी कनिष्ठ अभियंता, सिविल की सेवानिवृत्ति के बाद से यह पद रिक्त हैं। हमारी जानकारी के अनुसार फरवरी 2024 मे प्रतिनियुक्ति पर कनिष्ठ अभियंता का पद निकाला गया था, जिसमे कि किसी के द्वारा भी आवेदन नही किया गया जिस कारण वर्तमान मे भी यह पद रिक्त है। कनिष्ठ अभियंता के विभिन्न उत्तरदायित्वो जैसे कि Site Supervision, Quality Assurance, Site Measurement and Measurement Book भरने आदि के कार्य नही हो पा रहे हैं। महोदय पूर्व मे हो चुके कार्यो की देयक धनराशि करोडो मे है व वर्तमान में भी संस्थान में करोडों के बिलों के निर्वहन का कार्य कनिष्ठ अभियन्ता के अभाव मे रूका हुआ है। बिना स्थायी कनिष्ठ अभियंता, सिविल के मापन व सत्यापन के अधोहस्ताक्षरी द्वारा इन कार्यो का प्रसंस्करण करना संभव नही है। जिसकी जानकारी अधोहस्ताक्षरी के द्वारा आपको पूर्व में भी कई बार मौखिक व लिखित (दिनांक 08 / 05 / 2024, जिसकी एक प्रतिलिपि इस पत्र के साथ संलग्न की जा रही है) तौर पर भी दी जा चुकी हैं।

अतः महोदय से निवेदन है, कि उक्त विषय के समाधान हेतु समय से उचित कार्यवाही करना चाहे। जिससे कि किये गये निर्माण कार्यो एवं चल रहे कार्यो का भुगतान त्वरितरूप से किया जा सके।

24/06/24
उप प्रभारी सिविल अनुरक्षण

24/06/24
प्रभारी सिविल अनुरक्षण

प्रतिलिपिः–

1– परियोजना प्रबन्धक, अस्थाई निर्माण इकाई, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, पौड़ी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रषित।

2– लेखानुभाग।

Recived
24.06.24

(9)

A-4

Date: 08-05-2024

To,

The Director
GBPIET
Pauri, Uttarakhand

Subject: An urgent requirement for Junior Engineer (Civil) at GBPIET Campus

Respected Sir,

After the retirement of Junior Engineer (Civil) in November 2023, no Junior Engineer is working in the institute. While many minor and major civil maintenance works in the Institute have suffered due to unavailability of Junior Engineer (Civil). In all the civil maintenance works, JE (Civil) is required for all the measurement works etc.

So, I request you to kindly give your kind approval for JE Civil.

With Thanks and Regards,

Bkhati 08-05-2024

Dr. Bhishm Singh Khati
OiC Civil Maintenance
GBPIET Pauri
Pauri – 246194 (Uttarakhand)
Mobile No.: +91 – 9458381318

20.05.24

A-5

गोविन्द बल्लभ पन्त इन्स्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी, घुड़दौड़ी, पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

संख्या– 570 /का.आ–मु.का./2024 दिनांक : 24–06–2024

1– प्रभारी सिविल अनुरक्षण। 2– उप प्रभारी सिविल अनुरक्षण

पत्र संख्या 253/का.आ.–मु.का./2024 दिनांक 15.06.2024 का अवलोकन करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा एक सप्ताह में सुस्पष्ट विस्तृत आख्या/भुगतान के सम्बन्ध में संस्तुति दी जानी थी। परन्तु इस सम्बन्ध में आज तक कोई आख्या/संस्तुति अधोहस्ताक्षरी को प्राप्त नहीं हुई है।

इसलिये आपको निदेशित किया जाता है कि जब तक उक्त पर पूर्व पत्र 253/का.आ.–मु.का./2024 दिनांक 15.06.2024 में दिये दिशा निदेशानुसार कार्यवाही नहीं की जाती है, तब तक कोई भी सम्बन्धित शिक्षक/प्रभारी/उप प्रभारी/कर्मचारी किसी भी प्रकार के अवकाश (ग्रीष्मकालीन अवकाश सहित) में नहीं जायेंगे। यदि किसी भी प्रकार की समस्या है, तो लिखित तौर पर अवगत कराया जाय।

लापरवाही करने पर स्पष्टीकरण/उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा। कृपया उक्त कार्य को प्राथमिकता के साथ समय से पूरा कर लिया जाय।

निदेशक

प्रतिलिपिः–

1– परियोजना प्रबन्धक, अस्थाई निर्माण इकाई, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, पौड़ी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

2– लेखानुभाग।

निदेशक

A-6

गोविन्द बल्लभ पंत इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्जीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी
घुड़दौड़ी पौडी गढ़वाल उत्तराखण्ड–246194
(उत्तराखण्ड सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)
सिविल अनुरक्षण एवं जलापूर्ति विभाग

पत्रांक सं. 17 / अनु0 वि0 / 2024 दिनांक 28/06/2024

सेवा में,

निदेशक महोदय
जी0 बी0 पी0 आई0 टी0
घुडदौडी, पौडी गढवाल, उत्तराखण्ड

विषय :– विभिन्न निर्माण कार्य से संबंधित धनावंटन के संबंध में।

संदर्भ:– पत्रांक संख्या 570 / का.आ.–मु.का. / 2024 दिनांक 24 / 06 / 2024

महोदय,

आपके द्वारा भेजे गये पत्रांक संख्या–253 / का.आ.–मु.का. / 2024 दिनांक 15 / 06 / 2024 जो कि हमारे पास 24.06.2024 को प्रातः प्राप्त हुआ था जिसका जवाब अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 24.06.2024 को ही पत्रांक संख्या 15 / अनु0वि0 / 2024 दिनांक 24 / 06 / 2024 में दे दिया गया था। जो कि इस पत्र के साथ भी संलग्न किया जा रहा हैं। जिसमें कि हमारे द्वारा अपनी सभी समस्याओ का विवरण लिखित तौर पर दे दिया गया था।

महोदय आपके द्वारा भेजे गये पत्र संख्या 570 / का.आ.–मु.का. / 2024 दिनांक 24 / 06 / 2024 का संज्ञान लेते हुए आपको पुनः अवगत कराना है कि बिना कनिष्ठ अभियंता के सत्यापन के द्वारा किसी भी कार्य का भुगतान करना नियम के विरूद्ध भी है। अधोहस्ताक्षरी के द्वारा पूर्व मे भी इस विषय की जानकारी मौखिक व लिखित रूप मे दी जा चुकी है। महोदय आपके संज्ञान मे लाना है कि परियोजना प्रबन्धक अस्थाई निर्माण इकाई उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास निर्माण निगम, लेखानुभाग, ठेकेदार अथवा कालेज प्रशासन के दवाब मे आकर इन कार्यो का एक सप्ताह मे जल्दबाजी मे आकर बिना कनिष्ट अभियंता के सुस्पष्ट विस्तृत आख्या/भुगतान का प्रसंस्करण करना व कार्य की गुणवत्ता, मापन पुस्तिका के सत्यापन के बिना लगभग 2 करोड़ 30 लाख तक का भुगतान करना अधोहस्ताक्षरी द्वारा संभव नहीं है एवं यह कार्य नियम विरूद्ध भी है। इस तरह के पत्र के दवाब मे आकर किसी भी अधिकारी के लिए काम करना संभव नही है व इससे ईमानदारी से कार्य कर रहे अधिकारी का मनोबल भी कम होता हैं।

Bhati
28/06/24

प्रभारी सिविल अनुरक्षण
गोविन्द बल्लभ पंत इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्जीनियरिंग
एण्ड टैक्नोलॉजी घुड़दौडी पौडी गढवाल

R 28.06.24

गोविन्द बल्लभ पंत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी घुड़दौड़ी पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड) 246194

A-7

AMENDED
MEMORANDUM OF ASSOCIATION,
SOCIETY RULES
And
SOCIETY BYELAWS
of

GOVIND BALLABH PANT ENGINEERING COLLEGE GHURDAURI (PAURI GARHWAL) SOCIETY

As Approved By

Government of Uttar Pradesh

Vide G. O. Nos.

1. 3794 / 90 — Pra. Shi. – 1 — 271 / 90 Dated 20—8—1990
2. 3794 / 90 — Pra. Shi. — 1 — 271 / 90 Dated 29—8—1990

13

28. Building & works Committee

(1) The Building & Works Committee (hereinafter in this rule referred to as Committee) shall consist of :

1.	Principal of the College	Chairman
2.	RITES	Member
3.	General Manager, Construction Agency of the zone in which the Institute situated	Member
4.	Chief Engineering, Hydel	Member
5.	Chief Engineer, Jal Nigam	Member
6.	Professor of Structural Engineering in a sister Engineering Institute	Member
7. & 8.	One Senior Engineer and one Architect to be nominated by Chairman, Board of Governors.	Member
9.	Head of Civil Engineering Department of the Institute	Member

The Committee will make a comprehensive and exhaustive review of the proposal for building and structures and make recommendation in its report to the Board of Governors.

29. Personnel Committee :

(1) Personnel Committee (hereinafter in this rule referred to as Committee) shall consist of :

(i)	Secretary, Technical Education Department	Chairman
(ii)	One other member of the Board to be nominated by the Chairman of the Board of Governors	Member
(iii)	Principal	Member/Secretary

A-8

गोविन्द बल्लभ पन्त इन्स्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी,
घुड़दौड़ी, पौड़ी गढ़वाल।

"मैं (हस्ताक्षरकर्ता) जी0बी0 पन्त इन्स्टी0 ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी, घुड़दौड़ी (नाम/पदनाम सहित) व्यक्तिगत रूप से संतुष्ट हूँ कि **Work Order Number:** – का कार्य जो ठेकेदार/प्रखण्ड- **M/S** के माध्यम से मेरे/हमारे पर्यवेक्षण **(Supervision)**/निर्देशन **(Direction)** में कराया गया, शत प्रतिशत **(100%)** अपेक्षित/निर्धारित गुणवत्ता विशिष्टियों के अनुरूप है। यह कार्य उचित रीति तथा नीति के साथ संतोषजनक सम्पादित कराया गया है। यह भी प्रमाणित किया जाता है, कि यह कार्य निर्धारित नियमानुसार तथा जनहित/संस्थानहित में अधोहस्ताक्षरी के पर्यवेक्षण **(Supervision)**/निर्देशन **(Direction)** में पूर्ण कराया गया है। सम्पूर्ण कार्य कार्यादेश में निर्धारित विशिष्टियों तथा मानकों के अनुरूप है। तदनुसार कार्यदायी संस्था को प्रतिशत (%) भुगतान अनुसंशित।

विवरण (निर्माण/मरम्मत/पुर्ननिर्माण आदि का उल्लेख सहित) :–

Particular of work :

Order Number :

Bill Number :

Work Done Satisfactory (%) as per.

हस्ताक्षर –
अधिकारी/कार्मिक का नाम –
पदनाम –अवर अभियंता, सिविल/उप प्रभारी सिविल मेंन्टी0
जी0बी0 पन्त इन्स्टी0 ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी,
घुड़दौड़ी (पौड़ी गढ़वाल)।

हस्ताक्षर –
अधिकारी/कार्मिक का नाम –
पदनाम –सहायक आचार्य, सिविल इंजी0 विभाग/
प्रभारी–सिविल अनुरक्षण कार्य
जी0बी0 पन्त इन्स्टी0 ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी,
घुड़दौड़ी (पौड़ी गढ़वाल)।

A-9

पत्र प्राप्ति पुस्तिका

Acknowledgement Book CED

क्रम सं. S. No.	दिनांक Date	नाम / पद / विभाग व पता Name / Designation / Deptt. & Address	विषय Subject	पत्र देने वाला Delivered by	प्राप्तकर्ता Received by
2027	1/10/24	AK section	Guest faculty Attendance Rahul Kanth Vijay Shalini	Ankit	1/10/24
2028	03/10/24	Dept of ASMD	Regarding No class of the Constitution of India	[illegible]	4/10/24
2029	3/10/24	Dean Academic	Regarding change of elective 3rd sem M.Tech GT	[illegible]	[illegible]
2030	3.10.24	Director office	Teaching load CED		[illegible]

Neelgagan

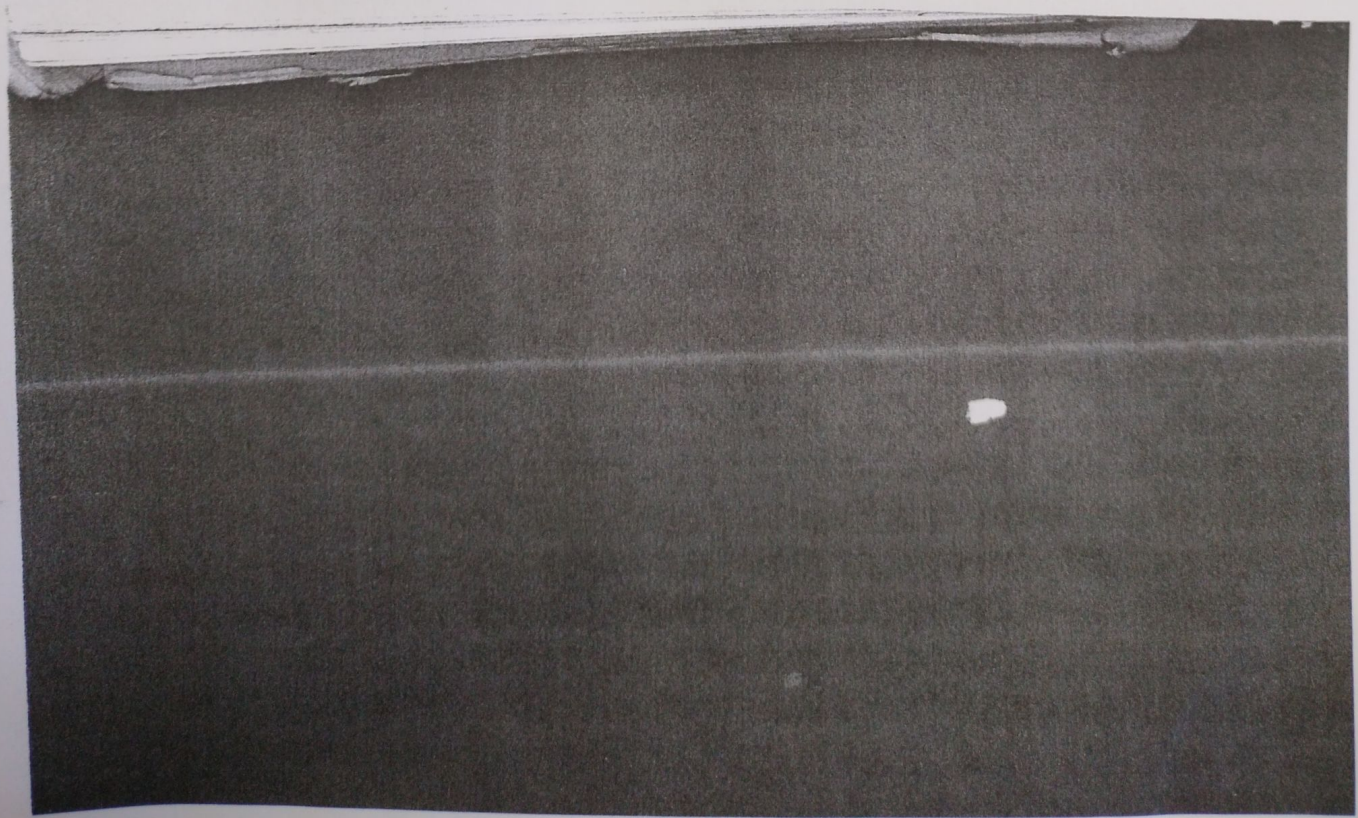

A-10

GOBIND BALLABH PANT INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY, PAURI GARHWAL – 246194 (UTTARAKHAND)
(An Autonomous Institute of Government of Uttarakhand)
Department of Civil Engineering

Ref No 663/Head Off/CED/2024-25 Date: 07/10/2024

Teaching Load Need to be Adjusted of CED for Odd Sem 2024-25

Sem	Code	Subject Name	Credit	Faculty
1st	AHT 004	Environmental Studies (ME+MF, ECE, CE, BT)	NC	
1st	AHP 005	Self Employment and Entrepreneurship Development lab	1	
5th	AHT 009	Constitution of India	NC	
7th	TOE 034	Disaster Preparedness and Planning	3	
M.Tech. GT				
3rd	CET 3XX	Open Elective ()	3	

OiC Time Table,
CED, GBPIET

Head 07/10/24
CED, GBPIET

G.B. Pant Inst. of Engg. & Technology, Pauri Garhwal
Recpt No. 86
Date:- 25.10.24
Signature
Director

A-11.

पत्र प्राप्ति पुस्तिका

Acknowledgement Book CED

क्रम सं. S. No.	दिनांक Date	नाम / पद / विभाग व पता Name / Designation / Deptt. & Address	विषय Subject	पत्र देने वाला Delivered by	प्राप्तकर्ता Received by
2775	4-3-24	Director office	अधिशासी अधिकारी द्वारा दिये भेजे पत्रांक 12012/06/2016-D4CD (F) के संबंध में	[illegible]	[signature] 04.03.24
2776	5.3.24	Director office	Regarding NOC Dr ML Yadav	[illegible]	[signature]
2777	7/3/24	Director office (निदेशक कार्यालय)	Autocad Lab में UPS ठीक कराने के संबंध में	[illegible]	[signature] 07.03.24
2778	7.3.24	मुख्य कार्मिक	Medical Leave 28/02/24-05/03/24 Mr A K Bakecha	[illegible]	[signature]

Neelgagan

[signature]

A-12

Gmail

Dr.BHISHM SINGH KHATI <bhishmkhati007@gmail.com>

Accepted paper in the EquinOCS system

2 messages

EquinOCS <equinocs-admins@springernature.com> 18 July 2024 at 22:35
To: "Dr.BHISHM SINGH KHATI" <bhishmkhati007@gmail.com>

This message has been sent by the EquinOCS system
https://equinocs.springernature.com/

PLEASE DO NOT REPLY

========

Dear Dr.BHISHM SINGH KHATI,

We are pleased to inform you that your paper

124: "Numerical Analysis of a Single Pile near Sloping Ground in Cohesionless Soil using Plaxis 3D"

has been accepted for

8th International Conference On Recent Advances in Geotechnical Earthquake Engineering and Soil Dynamics (8ICRAGEE)

Please find the reports beneath.

=== Message ===

Please note that registration with one of the authors is mandatory for the final acceptance/publication of the paper in the Scopus-Indexed Springer Proceeding. Further, each person planning to attend the conference must register. The early bird registration deadline has been extended to 31st July 2024. The registration link for the conference is available on the conference's website (https://event.iitg.ac.in/8icragee/registration).

We look forward to your active participation in the conference.

Kind Regards
Team 8ICRAGEE

REPORT

The authors have successfully addressed all comments. Therefore, the paper is approved for publication.

========

To upload the final version of the document log into your account and select the 'Your Submissions' page for 8ICRAGEE.

========

PLEASE DO NOT REPLY

This message has been sent by the EquinOCS system
https://equinocs.springernature.com/

See our Privacy Policy
https://www.springernature.com/gp/legal/privacy-statement/11033522

1st Circular

8th International Conference
on
RECENT ADVANCES IN GEOTECHNICAL EARTHQUAKE ENGINEERING AND SOIL DYNAMICS

December 11-14, 2024

Venue: **IIT Guwahati, India**

Organized by

Indian Society of Earthquake Technology

in association with

Dept. of Civil Eng., Indian Institute of Technology Guwahati, India

&

Dept. of Earthquake Eng., Indian Institute of Technology Roorkee, India

supported by

ABOUT THE CONFERENECE

This International Conference is in continuation of previous seven such conferences in which five were organized by Missouri University of Science & Technology, Rolla, USA, and the 6th one was organized in Greater Noida Campus of IIT Roorkee under the leadership of Prof. Shamsher Prakash. The 7th conference was organized online due to COVID-19 situation. The conference shall have invited Plenary Lectures, Keynote Lectures, State of the Art and Practice (SAP) Lectures, Special Presentation Lectures (SPL) and contributed original research papers for discussion and publication in the proceedings.

The 8th International Conference on Recent Advances in Geotechnical Earthquake Engineering and Soil Dynamics (8ICRAGEE) will be held at Indian Institute of Technology Guwahati, Guwahati during December 11-14, 2024. It will provide a platform to review the contributions and accomplishments in the field of soil dynamics in the last four years and draw an agenda for future course of action keeping the national need in the forefront. The damage scenarios of recent earthquakes have once again highlighted the need to evolve appropriate strategies to enhance the knowledge on earthquake resistant design and construction and to ensure that the same is put into practice by the practicing engineers.

INSTRUCTIONS TO AUTHORS

Authors are invited to submit abstracts (about 500 words) in MS-word by November 15, 2023 on the link given under "Submissions" on the conference website (https://event.iitg.ac.in/8icragee). Abstract should indicate the Theme Number under which it falls, on the uppermost corner of the right-hand side. Title, name of author (s), and affiliations along with email addresses are must. Template for abstract can be downloaded from the website. Abstract should contain an introductory statement outlining the background and significance of the study, a succinct description of the basic methodologies used, a clear indication of the major findings of the study and a concluding statement. All accepted full length papers will be published by Springer as conference proceedings. For final acceptance of the paper, registration of one of the authors is mandatory.

CONFERENCE THEMES

1. Field and laboratory testing of soils for the estimation of dynamic soil properties
2. Latest findings on liquefaction of soils
3. Seismic slope stability and landslides
4. Seismic design of retaining walls, marine structures, and dams
5. Seismic design of shallow and deep foundations
6. Soil-structure interaction under dynamic loading
7. Engineering seismology, strong ground motions
8. Ground response analyses and local site effects
9. Seismic hazard analyses: zonation, microzonation, risk assessment
10. Ground improvement techniques for reduction of seismic hazard
11. Role of building codes in reduction of seismic risk
12. Wave propagation, engineering vibrations
13. Vibration problems of high-speed railways
14. Vibration absorption/isolation applications
15. Performance of constructed facilities in extreme events/case histories of geotechnical earthquake engineering
16. Reconnaissance reports of recent damaging earthquakes
17. GIS and remote sensing, AI/ ML applications for geo-hazards
18. Sensors and satellite technology for disaster management
19. Seismic risk management and economics
20. Community preparedness and pre-earthquake disaster management
21. Innovative geotechnical applications in earthquake disaster management
22. Earthquake engineering education
23. Review of seismic design codes

WORKSHOPS, EXHIBITION AND TOURS

Pre-conference workshops will be held on 10th Dec. 2024. Post conference tours will be organized on 15th and 16th Dec. 2024. Details would be communicated and included in the website in due course of time. Proposals are invited for half-day and one day pre-conference workshops from the potential organizers from both industry and academia. Exhibition from industry will also be organized during the conference days i.e. 11-14, December 2024. Please contact the organizers for reserving your spots and details about the fee.

IMPORTANT DATES

Abstract submission opens	4th Oct., 2023
Abstract submission deadline	20th Jan., 2024
Abstract acceptance notification	20th Feb., 2024
Submission of full-length paper	30th April, 2024
Submission of revised full-length paper after review (if required)	31st May, 2024
Final Acceptance of full-length Camera-ready paper	15th June, 2024

REGISTRATION FEE (EXCLUDING GST)

Until June 30, 2024

ISET Members	For SAARC Countries	INR 9000
Non-ISET Members #	For SAARC Countries	INR 11000
Bonafide Students	For SAARC Countries	INR 5000
Accompanying Persons	For SAARC Countries	INR 5000
Foreign Delegates		US$ 500
Accompany Persons		US$ 250

After June 30, 2024

ISET Members	For SAARC Countries	INR 10000
Non-ISET Members #	For SAARC Countries	INR 12000
Bonafide Students	For SAARC Countries	INR 6000
Foreign Delegates		US$ 600

(# For simultaneous registration for the conf. and applying for ISET membership, INR 1000 will be waived in membership fee.)

SPONSORS

Industries, Instrument Manufacturers, Builders, Contractors, Consultants, Institutions and other agencies are invited to generously sponsor the event. For Sponsorship, please contact us at 8icragee@iitg.ac.in.

Platinum Sponsors	INR 8.0 lakhs
Diamond Sponsors	INR 5.0 lakhs
Gold Sponsors	INR 3.0 lakhs
Silver Sponsors	INR 2.0 lakhs
Sponsors	INR 1.0 lakh

About Indian Society of Earthquake Technology (ISET)

The ISET, established in 1962, is a founder member of the International Association for Earthquake Engineering (IAEE) and represents India on world for dealing with various aspects of earthquake engineering. The society is represented by its President as the National Delegate and the Vice- President as the Deputy National Delegate in the General Assembly of Delegates of the IAEE. A number of ISET members have served on the Executive Committee of the IAEE. The Executive Committee of ISET also acts as the 'Indian National Committee on Earthquake Engineering'. The society has 14 local chapters with total current membership over 2100. The society a quarterly journal "ISET Journal of Earthquake Technology" since its inception. ISET gives honors and awards for recognition of the work done in India and abroad. The society organized 6th World Conference on Earthquake Engineering in New Delhi in 1977.

About Indian Institute of Technology Guwahati

Indian Institute of Technology Guwahati, the sixth member of the IIT fraternity, was established in 1994. The campus is on a sprawling 704 acres, consisting of lakes, hills and is located on the north bank of the mighty River Brahmaputra around 20 km from the heart of the Guwahati city. Flanked by the majestic Brahmaputra, hills and vast open space, the campus provides an ideal setting for knowledge dissemination. The serene campus with a richness of greenery, scenic beauty, flora and fauna makes it a treasure trove of academics and learning. IIT Guwahati has 11 academic departments, 7 interdisciplinary academic centers and five schools. IIT Guwahati has been ranked 32 globally in "Research citation per faculty and overall QS ranking of 384 in the year 2023. The campus is located close to 27 km from LGB international airport Guwahati and approximately 24 km from Guwahati Railway Station.

About Dept. of Earthquake Eng., IIT Roorkee

Dept. of Earthquake Engineering at IIT Roorkee was established in 1960 as the School of Research and Training in Earthquake Engineering. The department provides master's degree in three specializations, namely Structural Dynamics, Soil Dynamics and Seismic Vulnerability and Risk Assessment. Also, it provides PhDs in all disciplines of Earthquake Engineering. It renders expert advice to various organizations in the area of earthquake resistance design of structures and foundations, site-specific parameter studies. It plays a key role at national and international level for earthquake engineering.

ORGANIZING COMMITTEE

Chief Patron

Prof. Shamsher Prakash

Patrons

Director, IIT Guwahati

Prof. K.K. Pant, Director, IIT Roorkee

Co-Patrons

Prof. S. Gokhale, Head, CED, IIT Guwahati

Prof M. Shrikhande, Head, DEQ, IIT Roorkee

Prof. Hemant B. Kaushik, Chair, ISET Guwahati Chapter

Conference Chair

Prof. B.K. Maheshwari, President, ISET

Conference Co-Chairs

Representative of ISSMGE TC203

Prof. Madhavi Latha G., IISc Bangalore

Prof Ravi Jakka, IIT Roorkee

Organizing Secretaries

Prof. Abhishek Kumar, IIT Guwahati

Prof. Rajib Sarkar, IIT (ISM) Dhanbad

Joint Organizing Secretaries

Prof. Anil K. Mishra, IIT Guwahati

Prof. Ravi K., IIT Guwahati

Prof. Sanket Nayak, IIT (ISM) Dhanbad

Treasurer

Prof. P.C. Ashwin Kumar, Secretary, ISET

CONTACT

Prof. B.K. Maheshwari, IIT Roorkee
bk.maheshwari@eq.iitr.ac.in; 91-1332-285450
Prof. Abhishek Kumar, IIT Guwahati
abhiak@iitg.ac.in; 91-361-258-3329
Prof. Rajib Sarkar, IIT (ISM) Dhanbad
rajib@iitism.ac.in; 91-326-223-5878

Website: https://event.iitg.ac.in/8icragee

Conference email: 8icragee@iitg.ac.in

13.	Wireless Connectivity	Yes, (802.11 b/g/n)		
14.	USB Port	Yes		
15.	Number of Main paper Trays	1		
16.	Each Main Paper Trays	150 or more		
17.	Duty Cycle	50000 or more		
18.	Warranty	1 year Comprehensive Onsite Warranty		

उक्त प्रिंटर के क्रय पर अवगत कराना है कि दोनो प्रिंटर का विवरण अलग-अलग है। इसलिए दोनों प्रिंटर का क्रय आदेश अलग-अलग निर्गत किया जायेगा।

उपरोक्त क्रय पर रु0 25,000.00 से ज्यादा एवं रु0 5,00,000.00 से कम का व्ययानुमान है।

अतः समिति द्वारा सर्वसमिति से निर्णय लिया गया कि उपरोक्त सामग्री जैम पोर्टल के माध्यम से डायरेक्ट L-1 कम्रेजन के माध्यम से क्रय किये जाने हेतु सहमति प्रदान की गयी।

63.06 संस्थान के विभागाध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग विभाग (डा0 भीष्म सिंह खाती) के मांग पत्र के क्रम में 01 लैपटॉप क्रय किये जाने के संबंध में।

संस्थान के विभागाध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग विभाग के माग पत्र के क्रम मे 01 लैपटॉप क्रय किया जाना है। फील्ड से सबधित कार्यो हेतु विभागाध्यक्ष जगह जगह पर जाते है। कार्यो को सम्पादन करने हेतु लैपटॉप की आवश्यकता पडती है। जिसके क्रम 01 लैपटॉप क्रय किया जाना है। जिसका विवरण निम्नवत् है :-

Sr.No.	Item	Specification	Quantity	Price (Approx)
1.	Laptop	Intel Core Ultra 5 125H 16" (40.64cm) WUXGA IPS 300Nits Thin & Light Laptop (16GB/1TB SSD/Win 11/100%sRGB/Office 2021/Backlit KB	01	Rs.80,000.00
			Total Amount	**Rs.80,000.00**

उक्त लैपटॉप के क्रय पर अवगत कराना है कि लेखानुभाग एवं विभागध्यक्ष के लैपटॉप का विवरण अलग-अलग है। इसलिए लैपटॉप का क्रय आदेश अलग-अलग निर्गत किया जायेगा एवं साथ ही विभागाध्यक्ष (डा0 भीष्म सिंह खाती) के लैपटॉप का क्रय Consultancy Professional Development Fund से किया जाना है। जिसमें उक्त लैपटॉप क्रय हेतु धनराशि उपलब्ध होने की दशा में ही क्रय किया जायेगा। उक्त लैपटॉप के क्रय पर रु0 25,000.00 से ज्यादा एवं रु0 5,00,000.00 से कम का व्ययानुमान है।

अतः समिति द्वारा सर्वसमिति से निर्णय लिया गया कि उपरोक्त सामग्री जैम पोर्टल के माध्यम से डायरेक्ट L-1 कम्रेजन के माध्यम से क्रय किये जाने हेतु सहमति प्रदान की गयी

	labour charges	feet	feet	
	Three lak Seventy Nine thousand Nine Hundred Eighty.			3,79,980.00

उपरोक्त फर्नीचर का कार्य कराये जाने पर रु0 3,79,980.00 का व्ययानुमान है।

सर्वसमिति द्वारा निर्णय लिया गया क्र0सं0 01, 03, 04, 05, एवं 06 जैम (GEM) के माध्यम से क्रय करने की सहमति प्रदान की गयी।

64.09 संस्थान के विभागाध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग विभाग (डॉ0 भीष्म सिंह खाती) के मांग पत्र के क्रम में 01 लैपटॉप क्रय पर विचार।

संस्थान के विभागाध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग विभाग के मांग पत्र के क्रम में 01 लैपटॉप क्रय किया जाना है। फील्ड से संबंधित कार्यों हेतु विभागाध्यक्ष जगह–जगह पर जाते हैं। कार्यों को सम्पादन करने हेतु लैपटॉप की आवश्यकता पड़ती है। यह विषय केन्द्रीय क्रय समिति की बिन्दु संख्या 63.06 पर भी रखा गया था। जिसमें सर्वसमिति द्वारा यह निर्णय लिया गया था कि 01 लैपटॉप जैम पोर्टल के माध्यम से डायरेक्ट L-1 कम्रेजन के माध्यम से क्रय किये जाने हेतु सहमति प्रदान की गयी थी। संस्थान के विभागाध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा लैपटॉप का जो विवरण दिया गया था, वह विवरण अपूर्ण था। जिस कारण लैपटॉप खरीदा नहीं गया था।

जिस प्रकार विभागाध्यक्ष द्वारा पुनः लैपटॉप का विवरण दिया गया है। जो निम्न प्रकार से है :–

SPECIFICATION		
01	Processor Make	Intel
02	Processor Generation	12th
03	Number of Cores per Processor	10 Core
04	Processor Description	Core i5
05	Processor Number	1235U
06	Size of Memory in Case of Dedicated Graphic Card (GB)	NA
07	Operating System (Factory Pre-Loaded)	Windows 11 Pro
08	Type of Ram	DDR4
09	Ram Size (GB)	16 GB
10	Type of Drives used to Populate the Internal Bays	NA
11	Total SSHD Capacity in addition to 8 GB Flash (GB)	512 GB
12	Wireless Connectivity	Wi-Fi 5
13	Display Size (Inch)	14.1 Inch
14	Display Type	IPS
15	Display Resolution (Pixels)	FHD
16	Optical Drive	NA
17	Backlit Keyboard	Backlit Keyboard
18	Battery Warranty	03
19	On Site OEM Warranty (Year) (OEM/Authorised channel partner shall note that W/G to be fulfilled by OEM at site)	03

सर्वसमिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि 01 लैपटॉप जैम (GEM) पोर्टल के माध्यम से डायरेक्ट L-1 कम्रेजन के माध्यम से क्रय किये जाने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया।

64.10 संस्थान के छात्रावासों, प्रशासनिक भवन एवं समस्त विभागों में लगे फायर एक्सीटिंग्यूशर की रिफलिंग के कार्य आदेश निर्गत किये जाने के संबंध में।

27.06.2024

कुलसचिव
सदस्य सचिव

श्री उमाकान्त बड़थ्वाल
लेखाकार/सदस्य .

डॉ0 सुनील चमोली
सहा.आ., एम.ई.डी.
सदस्य

डॉ0 पवेन्द्र कुमार
सहा.आ., सी.एस.ई.डी.
प्रभारी कम्प्यूटर सेंटर

डॉ0 वी.एस. खाती
विभागाध्यक्ष, सी.ई.डी.
सदस्य

27/06/24

डॉ0 अमित जोशी
सह.आ., एम.ई.डी.
वित्त प्रभारी/
परचेज अधिकारी

डॉ0 एच0एस0 यादव
सहा0आ0, सी.ई.डी.
फायर सेफ्टी ऑफिसर

डॉ0 यतेन्द्र कुमार
सहा0आ0, ई.ई.डी.
परीक्षा नियंत्रक

डॉ0 अजीत नेगी
सह.आ., ए.एस.एच.डी.
ओ.आई.सी., सैनीटेशन

डॉ. आशुतोष गुप्ता
विभागाध्यक्ष, एम.ई.डी.
मुख्य छात्रावास अधीक्षक

डॉ. आशीष नेगी
विभागाध्यक्ष, सी.एस.ई.डी
सदस्य

डॉ. एच. गोयल
प्रो., ए.एस.एच.डी
प्रशासकीय परिषद द्वारा
नामित सदस्य

27/06/24

प्रधानाचार्य
राजकीय पोलीटेक्नीक, श्रीनगर
शासन द्वारा नामित सदस्य

प्रो0 डॉ0 वी0एन0 काला
निदेशक
अध्यक्ष

A-14

गोविन्द बल्लभ पंत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी
पौड़ी गढ़वाल–246194 (उत्तराखण्ड)
(उत्तराखण्ड सरकार की स्वायत्तशासी संस्था)

पत्रांक संख्याः 796/निदे.कार्या./2024 दिनांकः 07/11/2024

कार्यालय आदेश

आज दिनांक 07.11.2024 को अधोहस्ताक्षरी द्वारा अधिष्ठाता शैक्षणिक के साथ समस्त विभागों का भ्रमण किया गया तथा निम्नलिखित बिन्दु अवलोकन किये गयेः–

1. कुछ विभागों में कुछ शिक्षक/कर्मचारी बिना अवकाश पत्र भरे निर्बंधित अवकाश पर थे।

2. अधिकतर विभागों में छात्र–छात्राओं की उपस्थिति अत्यन्त कम पायी गयी।

3. सिविल इंजीनियरिंग विभाग के कार्यालय में उपस्थित कर्मचारी विभागाध्यक्ष का तथा अन्य अनुपस्थित कर्मचारियों का निर्बंधित अवकाश पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाये। विभागाध्यक्ष डॉ० बी. एस. खाती के चार्ज का हैंड ओवर तथा क्लास वर्क लोड भी नहीं पाया गया, उनकी निर्धारित कक्षा के दौरान छात्र बाहर घूमते पाये गये, एक छात्र ने बताया कि विभागाध्यक्ष ने उन्हें कहा है कि वे कक्षा संचालित करने के लिए किसी अन्य उपलब्ध शिक्षक से अनुरोध कर लें।

उपरोक्त स्थिति अत्यन्त चिंताजनक है।

अतः समस्त शिक्षकों/अधिकारियों एंव कर्मचारियों को निर्देशित किया जाता है कि छात्र हित में अपने–अपने कार्य क्षेत्र में रहकर अपनी ड्यूटी का निर्वाहन गंभीरता से करें, अन्यथा कि स्थिति में सम्बन्धित की कार्यशैली से शासन को अवगत करा दिया जायेगा।

निदेशक

प्रतिलिपिः–

1. समस्त विभागाध्यक्ष।
2. कुलसचिव।
3. डॉ० बी. एस. खाती।
4. कार्यालय प्रति।

निदेशक

फोन नं० -01368-228030 फैक्स नं० -01368-228062 ई–मेल-principalgbpecpauri@gmail.com

A -15

G B Pant Institute of Engineering & Technology Pauri-Garhwal

	CE-I YEAR						
	09:00-10:00	10:00-11:00	11:00-12:00	12:00-13:00	13:00 - 14:00	14:00-15:00	15:00-16:00
Monday	AHT001 (L) Dr B S Tiwari CED-LT-12	AHT003 (L) Dr N Rawat CED-LT-12	CE-2 AHP003 (P) Mr D Dangwal Introduction to Digital Marketing Lab CE-3 CST001 (T) Dr J Kumar CED-LT-12	CE-2 AHP003 (P) Mr D Dangwal Introduction to Digital Marketing Lab CE-3 EET001 (T) EEDGF1 CED-LT-12	-X-	CST001 (L) Dr J Kumar CED-LT-12	EET001 (L) EEDGF1 CED-LT-12
Tuesday	AHT001 (L) Dr B S Tiwari CED-LT-12	AHT003 (L) Dr N Rawat CED-LT-12	CE-1 AHP005 (P) ASHDENGF1 Self-Employment and Enterpreneurship Development Lab CE-2 CST001 (T) Dr J Kumar CED-LT-12 CE-3 AHP001 (P) Dr B S Tiwari Engineering Physics Lab	CE-1 AHP005 (P) ASHDENGF1 Self-Employment and Enterpreneurship Development Lab CE-2 EET001 (T) EEDGF1 CED-LT-12 CE-3 AHP001 (P) Dr B S Tiwari Engineering Physics Lab	-X-	CST001 (L) Dr J Kumar CED-LT-12	EET001 (L) EEDGF1 CED-LT-12
Wednesday	AHT001 (L) Dr B S Tiwari CED-LT-12	AHT003 (L) Dr N Rawat CED-LT-12	CE-1 CST001 (T) Dr J Kumar CED-LT-12 CE-2 AHP001 (P) Dr B S Tiwari Engineering Physics Lab CE-3 AHP003 (P) Mr D Dangwal Introduction to Digital Marketing Lab	CE-1 EET001 (T) EEDGF1 CED-LT-12 CE-2 AHP001 (P) Dr B S Tiwari Engineering Physics Lab CE-3 AHP003 (P) Mr D Dangwal Introduction to Digital Marketing Lab	-X-	CST001 (L) Dr J Kumar CED-LT-12	EET001 (L) EEDGF1 CED-LT-12
Thursday	CE-1 AHT001 (T) Dr B S Tiwari CED-LT-12 CE-3 MEP002 (P) MEDGF2 Engineering Graphics & Design Lab	CE-1 AHT003 (T) Dr V N Kala CED-LT-12 CE-2 AHP005 (P) ASHDMMGF1 Self-Employment and Enterpreneurship Development Lab CE-3 MEP002 (P) MEDGF2 Engineering Graphics & Design Lab	CE-1 CSP001 (P) Dr J Kumar Programming for Problem Solving Lab CE-2 AHP005 (P) ASHDMMGF1 Self-Employment and Enterpreneurship Development Lab CE-3 EEP001 (P) Mr A Katiyar Basic Electrical Engineering Lab	CE-1 CSP001 (P) Dr J Kumar Programming for Problem Solving Lab CE-3 EEP001 (P) Mr A Katiyar Basic Electrical Engineering Lab	-X-	CE-3 MEP002 (T) MEDGF2 CED-LT-12	AHT004 (L) Mrs Rajni CED-LT-12
Friday	CE-1 MEP002 (P) MEDGF2 Engineering Graphics & Design Lab CE-2 AHT001 (T) Dr B S Tiwari CED-LT-12	CE-1 MEP002 (P) MEDGF2 Engineering Graphics & Design Lab CE-2 AHT003 (T) Dr V N Kala CED-LT-12 CE-3 AHP005 (P) ASHDMMGF1 Self-Employment and Enterprenuership Development Lab	CE-1 AHP001 (P) Dr B S Tiwari Engineering Physics Lab CE-2 EEP001 (P) Mr A Katiyar Basic Electrical Engineering Lab CE-3 AHP005 (P) ASHDMMGF1 Self-Employment and Enterpreneurship Development Lab	CE-1 AHP001 (P) Dr B S Tiwari Engineering Physics Lab CE-2 EEP001 (P) Mr A Katiyar Basic Electrical Engineering Lab	-X-	CE-1 MEP002 (T) MEDGF2 CED-LT-12	AHT004 (L) Mrs Rajni CED-LT-12
Saturday	CE-2 MEP002 (P) MEDGF2 Engineering Graphics & Design Lab CE-3 AHT001 (T) Dr B S Tiwari CED-LT-12	CE-2 MEP002 (P) MEDGF2 Engineering Graphics & Design Lab CE-3 AHT003 (T) Dr V N Kala CED-LT-12	CE-1 EEP001 (P) Mr A Katiyar Basic Electrical Engineering Lab CE-2 CSP001 (P) Dr J Kumar Programming for Problem Solving Lab	CE-1 EEP001 (P) Mr A Katiyar Basic Electrical Engineering Lab CE-2 CSP001 (P) Dr J Kumar Programming for Problem Solving Lab	-X-	CE-1 AHP003 (P) Mr D Dangwal Introduction to Digital Marketing Lab CE-2 MEP002 (T) MEDGF2 CED-LT-12 CE-3 CSP001 (P) Dr J Kumar Programming for Problem Solving Lab	CE-1 AHP003 (P) Mr D Dangwal Introduction to Digital Marketing Lab CE-3 CSP001 (P) Dr J Kumar Programming for Problem Solving Lab
	Timetable w e f date notified as per Academic Calendar						

Date
07-11-24